AADHAAR

**AMAR UJALA, Gurgaon, 26.9.2017**

**Page No. 6, Size:(25.33)cms X (10.09)cms.**

**खास खबर**

महाराष्ट्र में 6 मिनट में बच्चे के बने आधार के रिकार्ड को तोड़ा, मेवात में सूचना सहायक ने बनाया रिकार्ड

# पैदा होने के 5 मिनट बाद बना बच्ची का आधार

राजुद्दीन जंग।
नगीना (मेवात)।

मेवात के एक सरकारी अस्पताल ने पैदाइश के 5 मिनट के अंदर बच्ची अबरीश फातिमा का आधार बनाने का रिकार्ड बनाया है। इससे पहले महाराष्ट्र उस्मानाबाद के भावना जाधव के 6 मिनट के अंदर आधार नंबर के रिकार्ड को तोड़ते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यहां कुल 11 मिनट के अंदर दो बच्चों को आधार नंबर दिए गए। मजेदार बात यह है कि दोनों बच्चों के जन्म में कुल 4 मिनट का अंतर है, जिसकी स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने 11 मिनट कुछ सेकेंड की एक वीडियो बनाई है,

मेवात में सोमवार को पैदा हुए दोनों बच्चों की सूचना आधार के साथ लिंक करके दिखाते आरिफ हुसैन और नर्स इंदिरा।

जिसमें दोनों बच्चों का लाइव आधार पंजीकरण करते हुए दिखाया गया है। स्वास्थ्य विभाग के सिविल सर्जन ने भी इसकी पुष्टि की है।

खास बात यह है कि स्वास्थ्य विभाग नूंह की स्टाफ नर्स इंदिरा चौधरी व सूचना सहायक आरिफ हुसैन ने सुबह 9 बजे से ही पूरी तैयारी कर ली थी। एक खास डिवाइस के सहारे आधार संख्या पंजीकृत करने से पहले दोनों गर्भवती महिलाओं की पल-पल की

## जन्म के 11 मिनट में लड़का-लड़की को दिए गए आधार नंबर

खबर लेते रहे। जिला नूंह के गांव टपकन की गर्भवती महिला सवेदा पत्नी जाहिद ने ठीक सुबह साढ़े 10 बजे लड़के को जन्म दिया। जिसका आधार 10 बजकर 36 मिनट 29 सेकेंड पर सवा 6 मिनट में दर्ज हुआ और बच्चे का नाम मोहम्मद अजरू रखा गया। तभी खेड़ला की शबनम को बच्ची पैदा हुई, जिसका आधार केवल 5 मिनट 9 सेकेंड में अबरीन फातिमा के नाम से पंजीकृत कर किया गया। रिकार्ड समय में आधार बनाने पर स्टाफ की खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहा। मौजूद लोगों को मिठाई खिलाई गई।

नूंह सीएचसी के सूचना सहायक आरिफ हुसैन ने बताया कि आधार लिंक जन्म पंजीकरण पर डीसी व सिविल सर्जन द्वारा विशेष ध्यान देने तथा महाराष्ट्र में रिकार्ड समय में जन्म आधार पंजीकरण की खबर पढ़ने के बाद दिमाग में एक बात बैठ गई कि क्यों न यहां भी कोशिश की जाए। स्टाफ नर्स के सहयोग से प्रयास सफल रहा। मेवात के सिविल सर्जन डा. एसआर सिवाच ने बताया कि पैदा होने के 11 मिनट के अंदर दोनों नवजात का आधार लिंक बर्थ रजिस्ट्रेशन (एएलबीआर) कराया है जो मेवात जैसे पिछड़े क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है।